>

Title: Need to adopt a uniform policy for allocation of funds towards all states including Gujarat by the Central Government in order to ensure the all-round development of the States.

श्री नारनभाई कछाड़िया (अमरेली): अध्यक्ष महोदय, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया। मैं आपके माध्यम से केन्द्र में बैठी यूपीए सरकार से कहना चाहता हूं कि वह गुजरात के साथ सौतेलेपन का व्यवहार और उसे परेशान करने के काम कर रही है।

महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि गुजरात में स्वर्ण जयंती साल के पचास साल पूरे होने के उपलक्ष्य में गुजरात सरकार ने स्वर्ण जयंती उत्सव मनाने के लिए केन्द्र सरकार के पास कुछ राशि का प्रस्ताव भेजा था। लेकिन केन्द्र सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी। यह बहुत खुशी की बात है कि केन्द्र सरकार ने गोवा जैसे छोटे राज्य को स्वर्ण जयंती उत्सव मनाने के लिए दो सौ करोड़ रुपये की राशि दी, यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन यह अत्यंत खेद की बात है कि गुजरात जैसे बड़े राज्य के इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली और यह सरकार उल्टे गुजरात सरकार को तंग और परेशान करने के अन्य तरीके ढूंढ रही है। गुजरात के औद्योगिक विकास को अवरुद्ध करने के लिए केन्द्र की यूपीए सरकार ने वॉयब्रेन्ट गुजरात में जो वहां के उद्योगों में भागीदार बिजनेसमैन हैं, उन्हें बदनाम और परेशान करने के लिए इंकम टैक्स का उपयोग करके नोटिस भेजे हैं। जबकि आजादी के बाद अभी तक किसी भी राज्य में ऐसा नहीं हुआ है। यदि केन्द्र सरकार गुजरात सरकार के प्रति ऐसा रवैया अपनायेगी तो गुजरात के विकास और वहां के युवाओं को मिलने वाली रोजी-रोटी पर संकट उत्पन्न हो सकता है।

इसलिए मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि गुजरात सहित सभी राज्यों के प्रति एक समान नीति अपनाये और भेदभाव न रखे, ताकि उनके विकास में कोई बाधा उत्पन्न न हो, बल्कि विकास की गति तेज हो। इतना ही कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

(Shrimati Sumitra Mahajan *in the Chair*)